for going abroad on deputation on foreign assignments.

3. Even before this total ban, deputation abroad to doctors was not ordinarily permitted in respect of the following categories where shortages had developed such as Anaesthesiology Radiology, Pathology, Microbiology, Bacteriology Haematology and Blood-Bank Physiotherapy and Rehabilitation, Dermatology and Venereology.

Safety of Sri Lanka Tamilians

615. SHRI D. AMAT: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the attention of the Government has been drawn to news appearing in the Hindustan Times dated the 25th August, 1977 that DMK Leaders approached Prime Minister regarding the riots in Sri Lanka and also demanded to take steps for the Safety of Tamils in Sri Lanka; and

(b) if so, the reaction of the Government in the matter?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) Yes, Sir.

(b) Since the disturbances involved Indian citizens and persons of Indian origin who had applied for repatriation to India, the Government of Iodia have expressed their concern at various levels. The High Commissioner for India in Sri Lanka visited refugee camps and subsequently his officials have visited the disturbed areas to see the progress of rehabilitation, to which the Government of India have also made a token contribution of Sri Lanka Rupees one million. The Government of India have noted the steps taken by the Government of Sri Lanka to restore normalcy and hope that these steps would succeed in restoring the confidence of the Tamil community.

बन्धुआ मजदूरों को मुक्त कराना तथा उनका पुनर्वास

616. **श्री छबिराम अर्गल** : क्या संसदीय कार्य और श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में 31-10-1977 तक राज्यवार कितने-कितने बन्धुआ मजदूरों को मुक्त कराया गया ;

(ख) बन्धुआ श्रम प्रणाली (उत्सादन) अधिनियम, 1976 के अधिनियमन के बाद कितने-कितने बन्धुआ श्रमिक परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था की गई है तथा कितने कितने बन्धुआ श्रमिक बेघरबार हैं ; और

(ग) क्या पर्याप्त वित्तीय सहायता देकर बन्धुआ श्रमिकों के पुनर्वास के लिए पृथक कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता है ?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग सई) : (क) से (ग). संलग्न विवरण, जिसमें नवीनतम उपलब्ध सूचना का सार प्रस्तुत किया गया है, 30 सितम्बर, 1977 तक पता लगाये गए, मुक्त कराए गए और पुनर्वासित किए गए बंधित श्रमिकों की संख्या दर्शाता है। मुक्त किए गए बंधित श्रमिकों के पुनर्वास के कार्यक्रम, केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा बनाई तथा इस समय चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चलाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने के प्रश्न की उन मामलों में जांच की जाएगी, जहां मुक्त कराए गए श्रमिकों के पुनर्वास के लिए इस समय चल रही योजनाएं पर्याप्त नहीं समझी जाती हैं और या राज्य सरकार से विशेष अनुरोध प्राप्त होता है।

विवरण

क्रमांक	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	बंधित श्रमिकों की कुल संख्या		
		पता लगाए गए	मुक्त कराए गए	पुनर्वासित किए गए
1	2	3	4	5
1.	आन्ध्र प्रदेश	1,298	1,298	698
2.	बिहार	2,562	2,038	613
3.	गुजरात	42	42	42
4.	कर्नाटक	64,040	64,040	4,668
5.	उड़ीसा	612	312	302
6.	मध्य प्रदेश	1,612	1,500	33
7.	केरल	702	702	186
8.	राजस्थान	6,000	5,580	2,494
9.	तामिलनाडु	2,882	2,882	1,998
10.	उत्तर-प्रदेश	19,242	19,242	12,805
11.	मिजोरम	3	3	—
	योग :	98,995	97,639	23,839

मध्य प्रदेश में टेलीफोन सुविधाएं

617. **श्री राघवजी** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में ऐसी तहसील, खण्ड और थाने कितने हैं जिनमें टेलीफोन सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं; और

(ख) इन स्थानों पर ये सुविधायें कब तक उपलब्ध किये जाने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव सई) : (क) स्थिति इस प्रकार है :—

श्रेणीगत स्थान	कितने स्थानों में	
	टेलीफोन सुविधा नहीं दी गई है।	तार सुविधा नहीं दी गई है।
1 तहसील मुख्यालय	कार्य नहीं	कोई नहीं
2 खण्ड मुख्यालय	70	65
3 दरोगा या उससे ऊंचे पद वाले अधिकारी के चार्ज में आने वाले पुलिस स्टेशन	308	296

(ख) 1978-79 के अन्त तक लगभग ऐसे सभी खंड मुख्यालयों और उन जगहों पर जहां दरोगा या उससे उंचे पद वाले अधिकारी के चार्ज वाले पुलिस स्टेशन हों और जो मौजूदा उदार नीति के अनुसार न्यूनतम आय की शर्तें पूरी करेंगे, टेलीफोन और तार की सुविधाएं दे दी जाएंगी।

Survey of Kalazar Incidence in Bihar

618. SHRI AHMED M. PATEL:
SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:
SHRI ISHWAR CHAUDHRY:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether a central team of experts have conducted an exhaustive survey of the incidence of Kalazar in Bihar;